REFERENCE TO THE REPORTED LARGE-SCALE ARRESTS OF STUDENTS OF THE ALLAHABAD UNIVERSITY

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही (उत्तर प्रदेश): श्रीमन्, मैं उसी पुलिस के कारनामों के बारे में कह रहा हूं जिसके बारे में अभी दो दिन पहले प्रधान मंत्री जी ने, सरकारी पक्ष ने और सारे सदन ने कहा था और यह वही पुलिस है जिसके कारनामों को देखने के लिए प्रधान मंत्री जी नारायणपुर चली गयी थीं और भागलपुर की घटना सामने है। इस पुलिस ने 30-11-80 को प्रयाग में क्या किया और उसके बाद इन्होंने क्या किया उसकी ओर मैं सदन का और सभी साथियों का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। श्रीमन्, 30-11-80 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कैम्पस के अंदर एनशियंट हिस्टरी डिपार्टमेंट के सिल्वर जुबिली के जलसे का प्रधान मंत्री जी उदघाटन करने गयीं थी और उसी के इतजाम में जिले के और सूबे के अधिकारियों ने जो धांधली और गड़बड़ी की उसके फलस्वरूप यह सारी घटना हुई। आप गौर करें इस बात का कि विश्वविद्यालय के अंदर फंक्शन हो, विश्वविद्यालय के कैम्पस के अदर फंक्शन हो, विश्वविद्यालय के एक विभाग की सिल्वर जुबिली हो उसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को और टीचर्स को प्रधान मंत्री जी के भाषण सुनने के लिए जाने की इजाजत नहीं, इससे बड़ी और क्या बात हो सकती है। विश्वविद्यालय सबके लिए आउट आफ बाउन्ड किया जा सकता है लेकिन विद्यार्थियों के लिए, विश्वविद्यालय के टीचर्स के लिए आउट आफ बाउन्ड कोई अधिकारी नहीं कर सकता। लेकिन अधिकारियों ने आफ आउट आफ एक्सेस जील एण्ड एक्सट्रा जील में यह कर दिया कि विश्वविद्यालय कैम्पस को विद्यार्थियों के लिए और टीचर्स के लिए आउट आफ बाउन्ड डिक्लेयर कर दिया। हो सकता है कि इसके पीछे वहां के मुख्य मंत्री का भी हाथ हो। वे यह समझते हों शायद चूंकि उनके खिलाफ उत्तर प्रदेश में हवा चल रही है, उन्हीं के दल के एम. पी. उनके प्रति असंतोष व्यक्त कर रहे हैं और कह रहे हैं ये एम. पीज. से मिलते नहीं हैं, पब्लिक के सम्पर्क में नहीं जाते हैं, इसलिए शायद मुख्य मंत्री जी का हाथ हो कि सारे विद्यार्थी यहां आयेंगे तो प्रधान मंत्री जी के सामने अपनी बात पेश करें। इसलिए किस वजह से हुआ यह मैं नहीं जानता हूं लेकिन विश्वविद्यालय को विद्यार्थियों और टीचर्स के लिए आउट आफ बाउन्ड कर दिया गया, उसी पर संघर्ष हुआ कि विद्यार्थी अंदर जाना चाहते थे उनको अंदर जाने से पुलिस ने रोका और वहीं कशमकश शुरू हो गयी। वहां पर पुलिस ने विद्यार्थियों को इतना बारबेरस तरह से पीटा कि उसकी कोई तुलना नहीं हो सकती...

श्री धर्मवीर (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन् मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है। हमारे लोकदल के नेता जो तथ्य स्पेशल मेंशन में मेंशन कर रहे हैं, उसकी शुरूआत ही गलत है, मैं चाहूंगा वह सुधार लें। प्रधान मंत्री जी का कोई कार्यक्रम 30 तारीख को इलाहाबाद विश्वविद्यालय में नहीं था और दूसरी बात जो भी वे तथ्य दे रहे हैं कि वहां विद्यार्थियों को रोका गया यह भी गलत बात है *(Interruptions)* बल्कि जानबूझकर वहां पर लोगों ने इस प्रकार पथराव किया... *(Interruptions)*

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही यह प्वाइन्ट आफ आर्डर है, हमारे मित्र का।

श्री उपसभापति : यह प्वाइंट आफ आर्डर नहीं है।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही :यह देखें... *(Interruptions)*

श्री उपसभापति : आप अपनी बात कहिए, उनको छोड़िये।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : अपनी बात के बीच में उन्होंने कह दिया है, इसलिए उस बात के जवाब में सुन लें। यह पायनियर जिम्मेदार अखबार है . *(Interruptions)*

श्री धर्मवीर: घटना तो 29 को भी थी।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : 29 का ही मानिये । 29 तारीख को प्रधान मंत्री जी वहां गई थीं।

श्री धर्मवीर : नहीं आपने 30 का कहा है ।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही: जो खबर अखबार वालों ने छापी है, मैं उसको कहता हूं।

श्री उपसभापति : ठीक है, आप आगे चलिए । इसको छोड़िये ।

SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI: It says:

"Prime Minister's visit to the University in connection with the Silver Jubilee Celebration of the ancient history department."

प्रधान मंत्री जी एन्शेंट हिस्ट्री डिपार्टमेंट की सिल्वर जुबली का उद्घाटन करने गई थीं । वहां पुलिस ने स्टुडेंटस को बुरी तरह से पीटा और वे वहां नहीं रुके । उसके बाद में पुलिस और पी. ए. सी. होस्टल में घुस गई । यह नियम सभी जानते हैं कि यूनिवर्सिटी कैम्पस में या होस्टल में पुलिस, अधिकारियों की इजाजत के बिना नहीं घुस सकती । लेकिन पुलिस होस्टल में घुस गई और होस्टल में घुसने के बाद उसने स्टुडेंटस को वहां होस्टल के अंदर पीटा । उन दिनों वहां प्रोविंशल एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज का इम्तहान चल रहा था, उसके जो विद्यार्थी वहां टिके हुए थे उनको भी पीटा और बिना वाइस-चांसलर और बिना वार्डन की इजाजत के होस्टल में घुस गये। मैं अपने मित्र को यह बता देना चाहता हूं कि यह वाइस-चांसलर का बयान है ।

श्री उपसभापति: अब ब्यौरे में मत जाइये।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : इसमें लिखा है :

"Vice-Chancellor, Dr. U. N. Singh, today expressed his shock over the violence done by the policy. He alleged excesses were committed by the police and the PAC against the students. He said, the unfortunate incident could have been averted if the police had exercised more restraint. The police should have taken prior permission of the authorities before entering university hostels yesterday."

श्री उपसभापति : आप डिटेल मत पढ़िये ।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : आगे लिखा है :

"Professor Singh told newsmen that the police entered the Shyamsunderlal Hostel and PCS hostel and assaulted a number of inmates including Mr. Anand Dwivedi, who had been selected in the Provincial Civil Service and who was to appear for interview on December 5."

श्रीमन् यह वाइस-चांसलर का बयान है । मेरे लायक दोस्त जो बड़े नेता हैं, मैं उनकी बड़ी इज्जत करता हूं । हमारा ख्याल है कि वे तथ्यों को दबाने और तोड़ने-मरोड़ने की कोशिश नहीं करेंगे और इस बात को स्वीकार करेंगे. . . *Time bell rings.* मैं खत्म ही कर रहा हूं, श्रीमन् । और देखें कि यूनिवर्सिटी के स्टुडेंटस को ही नहीं पीटा ।
According to the report of UNI, students of the CMP Degree College and ECT College were lathi-charged by police.
सबको पीटा और देखें उसके बाद क्या किया कि रिपोर्टर्स जब कर्नल गंज थाने में गये, तो उनको जाने नहीं दे रहे थे, बड़ी मुश्किल से जब प्रैस रिपोर्टर थाने में गये—They saw that the students in Colonalganj police station were crying and weeping.

होस्टल में उनको इतना पीटा कि उनकी कमीज पतलून फट गए और नंगे होस्टलों से बाहर भागे । उनके सामान

[श्री नागेश्वर प्रसाद शाही]

को लूट लिया और उनको मजबूर किया स्टेशन पर चले जाएं। उनके पास इतना पैसा नहीं था श्रीमन् कि वे टिकट ले सकें घर जाने तक के लिए। आप श्रीमन्, देखें . . .

श्री उपसभापति : समाप्त करिए।

(Time bell rings)

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : एक मिनट। प्रोटेस्ट स्वरूप जब स्टुडेंट्स ने जलूस निकाला और हड़ताल किया तो पूरे जिले मे यह पुलिस टूट पड़ी विद्यार्थियो के ऊपर। फूलपुर में लाठी चार्ज करने के बाद गोली चलाई। उस में दो विद्यार्थी ग्रान् द स्पाट मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए। पूरे जिले की हालत यह है श्रीमन् कि 2 विद्यार्थी मर गए, सैकड़ों घायल है और 200 से ऊपर विद्यार्थियों को गिरफ्तार करके जेल में रख दिया गया है। यह सारी घटना श्रीमन्, क्यों हुई इस अवसर पर जब कि अपनी प्रधान मंत्री वहां गई थीं, इस में जाहिर है कि चीफ मिनिस्टर के इशारे पर सूबे की सरकार की पुलिस ने जुल्म किया, जनता को और खास कर विद्यार्थियों को टैरोराइज किया गया क्योंकि उन्हें भय था कि शायद प्रधान मंत्री से मिल कर असलियत न बता दें। श्रीमन् मैं आपके माध्यम से . . . *(Interruptions)*

श्री धर्मवीर : मान्यवर मुझे एक मिनट दे दें मैं उनकी बातों का जवाब दे दूं . . .

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : यह वही पुलिस है जिस के बारे में प्रधान मंत्री कहती हैं। हमारे मित्र जो पुलिस मिनिस्टर रह चुके है वे चाहे जो कुछ कहें

(Interruptions)

हमने अपनी तरफ से कोई बात नहीं कही . . .

श्री उपसभापति : आपने कह दिया हैं। समाप्त कीजिए।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : मैं तो सारे अखबारों ने जो बात कही वह कह रह हूं।

श्री धर्मवीर : इन्होंने ही हिंसा करवाई है। माननीय सदस्य ने यह बातें नहीं बताई कि उनके दल की साजिश से यह हुआ है।

(Interruptions)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I do not allow this. No please.

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : हमारे मित्र डाएलाग शुरू करेंगे तो मैं यह कहूंगा कि आप की सरकार इमरजेंसी की तरह से लोगों को टेरोराइज करके, भयभीत करके शासन चलाना चाहती है

(Interruption)

मैं इतना ही कहना चाहता हूं।

श्रीमती हामिदा हबीबुल्लाह : (उत्तर प्रदेश) उपसभापति जी, यह सब लोक दल का करवाया है . . . *(Interruptions)*

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : मैं चाहता हूं आप भी कालिंग अटेन्शन इस मसले पर दे दें। आपको भी कहने का मौका मिल जाए।

REFERENCE TO THE REPORTED CONCERNTRATION OF PAKISTAN TROOPS ON THE WESTERN BORDER OF INDIA

श्री राम निवास मिर्धा (राजस्थान) : श्रीमन, पिछले कुछ दिनों से राजस्थान से समाचार मिल रहे हैं की पाकिस्तानी